"तव कथामृतम्"

विष्णु भगवान के पंच कर्म है...ये वैष्णवों के भी होने चाहिए... हम और आप ईमानदार होकर करना चाहें तो कर सकते हैं... हम सबको पंचकर्म करने चाहिए...

1.नित्य कर्म

उसमें मैं ये नहीं कहूं कि इतने बजे जागो... इतने बजे पूजा करो... इतने बजे स्नान करो... मैं आपको बांधूँगा नहीं... क्योंकि मुझे पता है कि प्रत्येक की बॉडी... प्रत्येक की रुचि भिन्न है... रोज़ यदि एक अभ्यास हो जाए तो अपने समय पर जाग जाना... अपनी अवस्था के अनुकूल जाग जाना... दूसरा नित्य कर्म दंत मंजन करो... शौचादि कर्म...स्नानादि कर्म...संध्यादि कर्म... पूजा पाठ....ये कुछ ना करो तो.... तैयार हो जाओ ऑफिस जाने के लिए... और अपने घर में ठाकुर जी विराजते हो...अथवा तो अपने घट में विराजते हो.... तो वहां 5 मिनट प्रणाम करके... नित्य कर्म रोज़....अगर आप स्वाध्यायी हैं तो रामायण.. गीता... भागवत... कोई भी आपका सदग्रंथ हो... मुझे क्या आपत्ति है....उसका स्वाध्याय रोज़ जो करते हो...

मैं कोई आपको बता नहीं रहा कि ये करो...ये करो... आप जो करो...वो नित्य कर्म हमेशा करना चाहिए... ये विष्णु भगवान की नित्य कर्मी स्वाभाविक लीला है...

2. निमित्त कर्म

जैसे ही हमारे घर कोई महापुरुष आते हैं तो हम कहते हैं चलो हनुमान चालीसा का पाठ रखो... ये निमित्त कर्म है... करने वाले नहीं थे... कोई आए... निमित्त बन गया... और आपने सुंदरकांड का पाठ किया... कोई महापुरुष आया और निमित्त बन गया...हमने उत्सव मना लिया... जन्माष्टमी निमित्त बन गया... हम रात भर जागे... नंद घेर आनंद भयो... नंदोत्सव किया... शिवरात्रि आई... रामनवमी आई... गणेश चतुर्थी के दिन आए तो चलो हम अथर्वशीर्ष का पाठ कर ले... कोई न कोई निमित्त बन गया है....

3.... काम्य कर्म

जो हमारी अपेक्षा है कि हम ये करें और हम इतना पायें...ये करें तो हमें ये लाभ मिले... छूट है...प्रतिबंध नहीं है... हम अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए जो कर्म करें उसको शास्त्र वैष्णवी काम्य कर्म कहते हैं... कोई मजदूरी करे... कोई खेती करे... कोई व्यापार करे... कोई बिल्डिंग का करे... कोई जमीन का करे... ये सब काम्य कर्म है... ईमानदारी से करना चाहिए....

हम ये अनुष्ठान करेंगे तो हमारा ये काम हो जाएगा... ये भी काम्य कर्म में आता है... हम ये अनुष्ठान करेंगे तो चुनाव जीत जाएंगे... या सरकारी दफ्तर से हमारी फ़ाइल आगे निकल जाएगी... हमारे घर में बीमारी ना रहे...हमारे संतान नहीं तो बालक प्रकट हो जाए...ये सब काम्य कर्म है...

4. प्रायश्चित कर्म

जो कुछ हमसे भूल हो गई उसका तुरंत प्रायश्चित करो... हो गया...इंसान है हम लोग... देखने में भूल होगी... बोली में भूल हो जाएगी... कोई क्या अर्थ करेगा... आपका इरादा ना हो तो भी कौन क्या अर्थ करेंगे...उसी समय प्रायश्चित करना...

जैसे हम श्राद्ध करते हैं... तर्पण करते हैं....होम करते हैं... तीर्थों में जाकर अपने किए हुए कर्मों का प्रायश्चित कर देते हैं...

5...कर्तव्य कर्म देश...काल... परिस्थिति के अनुसार आया हुआ कर्तव्य निभाना...

(रामकथा – मानस विष्णुप्रयाग)

विष्णु जो सुर हित नरतनु धारी। सोउ सर्बग्य जथा त्रिपुरारी।।
खोजइ सो कि अग्य इव नारी। ग्यानधाम श्रीपति असुरारी।।
विष्णु चारि भुज बिधि मुख चारी। बिकट बेष मुख पंच पुरारी।।

|| मानस विष्णु प्रयाग || Ram Katha 975– Uttarakhand || ✲मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 264 | इंदौर, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बात मुद्दे की

When Vendetta Masquerades as Journalism

The dangerous blurring of lines between investigation, propaganda, and personal rivalry.

In an era where information travels faster than intent can be verified, the distinction between journalism and orchestrated narrative-building is increasingly being eroded. What is often presented as "paid news" or aggressive "sting operations" is, in reality, nothing more than the settling of personal scores under the convenient disguise of public interest.

A troubling pattern emerges when media intersects with external influences to construct so-called exposs. These are not always acts of truth-seeking, but carefully curated performances—where the script is written in advance and the outrage is rehearsed. In such manufactured spectacles, a fundamental question is rarely asked: are those exposing the alleged wrongdoing entirely free from the very complicity they seek to highlight?

For, as the old saying reminds us, in the bathhouse, all stand equally exposed. And yet, we witness an almost theatrical assertion of moral superiority—white collars raised high, as though untouched by the very grime they condemn.

Equally concerning are the self-proclaimed "directors" of these vendettas—external actors who claim authorship over these narratives. Their proclamations of purity ring hollow when juxtaposed against their own deep entanglement in similar practices. This paradox exposes not integrity, but performance—a carefully sustained illusion of righteousness.

The resulting noise—loud, persistent, and self-congratulatory—does little to strengthen the industry. Instead, it weakens its foundations. What is projected as reform often conceals a more personal motive: rivalry.

The discomfort of witnessing one's own colleagues transform into competitors finds expression in these orchestrated controversies. Branded as industry-benefiting actions, they ultimately reveal themselves as failed attempts at self-promotion.

Amidst this chaos, one critical distinction is repeatedly overlooked:

an investigator is not an informant.

It is a subtle, almost invisible line—yet one that defines the very ethics of journalism. And it is precisely this line that too many are willing to blur.

"नो किंग्स" (No Kings)... 37 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज (US national debt) और CRINK दुश्मन देशों से घिरता जा रहा अमरीका!

No Kings Protests' तहत न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और लॉस एंजिल्स सहित 50 राज्यों में लाखों लोग सड़कों पर उतरे,

रूबर्ट डी नीरो, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन और मार्क रफेलो जैसे प्रसिद्ध लोगों ने भी इन प्रदर्शनों में भाग लिया।इन विरोधों के कारण अमेरिका में आंतरिक तनाव बढ़ा है और राष्ट्रपति की सत्ता के केंद्रीकरण पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

अमेरिका के दुश्मन देशों (विशेषकर ईरान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया) से उसे आर्थिक, सैन्य और भू-राजनीतिक नुकसान हो रहा है। होर्मुज़ जैसे क्षेत्रों में तनाव से तेल की कीमतें बढ़ीं, युद्ध के कारण अरबों डॉलर का खर्च और वैश्विक स्तर पर अमेरिकी छवि में गिरावट आई है। ईरान और रूस जैसे देश अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद तेल और व्यापार से लाभ उठा रहे हैं।

अमेरिका-रूस के रिश्तों में उतार-चढ़ाव का लंबा इतिहास रहा है. 2016 में 15 फीसदी अमेरिकी रूस को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानते थे.

चीन सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा किए जा रहे खुफिया और आर्थिक जासूसी के प्रयास संयुक्त राज्य अमेरिका की आर्थिक समृद्धि और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरा हैं।

ये देश, विशेषकर 'CRINK' (चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया) समूह, अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो अमेरिका के लिए एक बड़ी सामरिक चुनौती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका पर 38.3 ट्रिलियन डॉलर का सार्वजनिक ऋण है

जिसका मतलब है कि अमेरिका पर हर नागरिक पर औसतन $1 लाख (करीब 87 लाख) से ज्यादा का कर्ज है।

यह कर्ज अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए एक 'डरावना स्तर' है और यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह अमेरिका की सुपरपावर स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

महू में महिला अधिकारी 15000 की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले की महू (डॉ. अंबेडकर नगर) तहसील में लोकायुक्त पुलिस ने आज एक बड़ी कार्रवाई की है। इंदौर लोकायुक्त ने शुक्रवार दोपहर (10 अप्रैल) महू जनपद पंचायत में पदस्थ उपयंत्री (सब-इंजीनियर) सावित्री मुवेल को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत विकास कार्यों के भुगतान के एवज में मांगी गई थी। यह कार्रवाई लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के निर्देश पर अंजाम दी गई। जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला महू ग्राम पंचायत के यशवंत नगर का है। पंचायत सचिव रमेशचंद्र चौहान ने इंदौर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी कि 15वें वित्त आयोग की निधि से लगभग 4.52 लाख रुपये की लागत से एक सीसी रोड का निर्माण किया गया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उसके भुगतान के लिए 'भौतिक सत्यापन' और 'माप पुस्तिका' (एमबी) में मूल्यांकन दर्ज करना

अनिवार्य होता है। इस काम के लिए उपयंत्री सावित्री मुवेल 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी और बिना रकम दिए मूल्यांकन दर्ज करने से इनकार कर दिया गया, जिससे भुगतान अटक गया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का सत्यापन किया गया और सही पाए जाने पर एसपी लोकायुक्त ने आरोपित को रंगेहाथ पकड़ने के लिए ट्रैप दल का गठन किया। योजना के अनुसार, शुक्रवार दोपहर शिकायतकर्ता को उपयंत्री के पास रिश्वत की राशि लेकर भेजा गया जैसे ही उपयंत्री ने पैसे लेने के लिए हाथ बढ़ाया वैसे ही एसपी की टीम ने पीछे से आकर उपयंत्री को रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा-7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में कार्यवाहक निरीक्षक रेनू अग्रवाल, आशुतोष मिठास, प्रधान आरक्षक प्रमोद यादव, आरक्षक शैलेंद्र बघेल, मनीष माथुर, श्रीकृष्णा अहिरवार समेत महिला आरक्षक गायत्री और अर्चना की अहम भूमिका रही। बता दें कि इंदौर क्षेत्र में पिछले तीन दिनों में लोकायुक्त की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 7-8 अप्रैल को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के 2 अधिकारियों को 90 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

रुबीना बोलीं-

कांग्रेस को कदर नहीं, एआईएमआईएम से बुके आया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम के बजट सत्र में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर शुरू हुआ विवाद 'धर्म बनाम राष्ट्रवाद' के साथ ही अब राजनीतिक रूप ले चुका है। बीजेपी-कांग्रेस के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) भी इस मुद्दे को लेकर मैदान में कूद गई है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया है कि रुबीना खान हमारे संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं से बातचीत चल

रही है। रुबीना से जब सवाल किया गया कि कांग्रेस ने उनके बयान से किनारा कर लिया है तो वह यह सुनते ही भड़क गईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए। ऐसे जब भी मौके आते हैं तो कांग्रेस पल्ला झाड़ लेती है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ मुसलमानों का वोट लेने के लिए है। कांग्रेस से कोई अनुबंध थोड़ी न करा रखा है। हम ओवैसी की पार्टी AIMIM में चले जाएंगे। रुबीना ने आगे यह बयान भी दिया है कि कांग्रेस पार्टी जो भी निर्णय लेगी, मुझे स्वीकार होगा। रखेंगे तो ठीक, नहीं रखेंगे या निकाल देंगे तो भी कोई बात नहीं। मैं हर फैसले के लिए तैयार हूं। रुबीना ने कहा कि कांग्रेस से बाहर निकालने वाले चिंटू चौकसे होते कौन हैं। यह उनकी नहीं राहुल गांधी की पार्टी है। मुझे पीसीसी से लेटर आएगा तो बात रखूंगी। मुझे तो ओवैसी की पार्टी से न्योता आ गया है। AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली ने बताया कि रुबीना और फौजिया शेख अलीम के बयान का हमारी पार्टी समर्थन करती है। रुबीना हमारे संपर्क में हैं। उनका हमारी पार्टी में स्वागत है। हमारी पार्टी के अंदर ओवैसी साहब सबको बराबरी, समानता, इंसाफ की बात करते हैं। जो आना चाहे, उनका हम स्वागत करते हैं। पार्टी उनसे पहले से संपर्क में है। पार्टी जल्द ही उनकी जॉइनिंग कराएगी। इनके अलावा कई पार्षद हैं जो हमारे संपर्क में हैं। कांग्रेस के अन्य कई बड़े नेता भी हमारे संपर्क में हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, खरगोन और खंडवा के साथ ही अन्य एक दो शहरों के कांग्रेस पदाधिकारी संपर्क में हैं।

इंस्टाग्राम की एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड सर्विस बंद होने के खिलाफ याचिका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हाईकोर्ट में इंस्टाग्राम की एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा को लेकर एक जनहित याचिका लगी है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इससे उपभोक्ता की निजता का हनन हो सकता है। हाईकोर्ट ने प्रारंभिक तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता को डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड ऑफ इंडिया (डीपीबीआई) के समक्ष 7 दिन में अभ्यावेदन प्रस्तुत करने और बोर्ड को 15 दिन के अंदर इस पर सुनवाई पूरी कर आदेश पारित करने के लिए कहा है। वहीं, आदेश की प्रति कोर्ट में भी प्रस्तुत की जाएगी। अगली सुनवाई 6 मई को होगी। हाईकोर्ट में यह याचिका एडवोकेट पार्थ शर्मा ने प्रस्तुत की है। इसमें शर्मा ने बताया कि इंस्टाग्राम ने अपने प्लेटफॉर्म से एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा 8 मई से समाप्त करने की सूचना जारी की है। ऐसा होने से यूजर्स के डेटा को प्लेटफॉर्म की कर्ताधर्ता कंपनी मेटा सहित अन्य भी देख सकेंगे। यह निजता को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा।

पहली मंजिल से गिरकर ढाई साल की बच्ची की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाडिया क्षेत्र में ढाई साल की बच्ची की पहली मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। हादसे के समय उसकी मां निर्माणाधीन मकान में सफाई कर रही थी। बच्ची खेलते-खेलते बालकनी तक पहुंच गई और नीचे गिर गई। कनाड़िया पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, गोल्फ लिंक सिटी निवासी प्रियांशी (ढाई साल) पुत्री कल्याण कुशवाह 5 अप्रैल को निर्माणाधीन मकान की पहली मंजिल से गिर गई थी। गंभीर हालत में उसे पहले अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो दिन इलाज के बाद परिजन उसे एमवाय अस्पताल ले गए, जहां गुरुवार रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई।पिता कल्याण कुशवाह ने बताया कि वे पत्नी के साथ एक डॉक्टर के निर्माणाधीन मकान में चौकीदारी करते हैं। घटना के समय उनकी पत्नी पहली मंजिल पर सफाई कर रही थी। पास में छोटा बेटा लेटा था, जबकि प्रियांशी खेलते-खेलते मुंडेर तक पहुंच गई। मकान में सुरक्षा जाली नहीं होने के कारण वह सीधे नीचे गिर गई। परिवार मूल रूप से ललितपुर का रहने वाला है और करीब 6 साल पहले इंदौर आया था। कुछ महीने पहले ही उन्हें इस निर्माणाधीन मकान में चौकीदारी का काम मिला था। घटना के समय पिता काम से बाहर गए हुए थे।

कटाक्ष

डिटेक्टिव एजेंसी से सामने आया कनेक्शन

सीडीआर बेचने के शक में 2 पुलिसकर्मियों से पूछताछ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) बेचने के संदेह में एटीएस ने क्राइम ब्रांच के दो पुलिसकर्मियों से पूछताछ की। दोनों को नोटिस देकर बुलाया गया था। पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया है, हालांकि आगे भी जरूरत पड़ने पर मुख्यालय बुलाया जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक एक डिटेक्टिव एजेंसी संचालक की जांच के दौरान कुछ संदिग्ध नंबर सामने आए। इसी कड़ी में एटीएस को पता चला कि एएसआई राम और सिपाही रविंद्र का एजेंसी से संपर्क रहा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पुलिसकर्मियों को नोटिस दिए गए थे, लेकिन समय पर पेश नहीं होने पर कर्नाटक एटीएस की टीम इंदौर पहुंची। गुरुवार शाम रवींद्र से पूछताछ की गई और बाद में उसे छोड़ दिया गया। वहीं एएसआई राम किसी मामले में बाहर होने के कारण शुक्रवार को भोपाल स्थित एटीएस कार्यालय में पेश होंगे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों का संपर्क डिटेक्टिव एजेंसी संचालक मुकेश तोमर से था। आशंका जताई जा रही है कि आम लोगों की सीडीआर मोटी रकम लेकर बेची जा रही थी। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि यह सामान्य पूछताछ है। दोनों पुलिसकर्मी पहले भी इस मामले में जांच कर चुके हैं, इसलिए उनके नंबर संदिग्धों के मोबाइल में मिले। फिलहाल किसी गिरफ्तारी की बात नहीं है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अनुशासनहीनता और लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों पर 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। इस अभियान में जहां बाहरी व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है, वहीं विभाग के भीतर भी सख्ती बरती जा रही है। डीआरपी लाइन (तत्कालीन क्राइम ब्रांच) में पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक क्रमांक 2801 दीपक थापा पर विभागीय कार्रवाई की गई है।

महिला आरक्षक फर्स्ट बटालियन के फ्लैट में फंदे पर लटकी मिली, हालत गंभीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। फर्स्ट बटालियन में रहने वाली एक महिला आरक्षक ने गुरुवार को आत्महत्या की कोशिश की। महिला अपने फ्लैट में फंदे पर लटकी मिली। रात में परिजन ने उसे देखा तो नीचे उतारकर निजी अस्पताल ले गए। फिलहाल महिला पुलिसकर्मी आईसीयू में भर्ती है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। सदर बाजार पुलिस के मुताबिक, महिला का नाम रूचि, पति पंकज है। वह अपने पति के साथ फर्स्ट बटालियन में रहती है। सदर बाजार पुलिस को रात करीब 11 बजे गोकुलदास अस्पताल से सूचना मिली। हालांकि रूचि अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके पति पंकज भी क्राइम ब्रांच में पदस्थ हैं। रूचि ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंकज के भी इस मामले में अभी बयान नहीं हो सके हैं। पुलिस के मुताबिक रूचि और पंकज ने लव मैरिज की थी।

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
DGR Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 11 अंक : 264 | इंदौर, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

ट्रंप की ईरान को सीधी चेतावनी-

बातचीत से मानो या सैन्य शक्ति से, होर्मुज स्ट्रेट तो खुलेगा ही!

वॉशिंगटन, (एजेंसी) पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली महत्वपूर्ण शांति वार्ता से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया है। ट्रंप ने साफ किया है कि स्ट्रैटेजिक तौर पर Strait of Hormuz को जल्द ही पूरी तरह खोल दिया जाएगा और इसके लिए अमेरिका ईरान के सहयोग का मोहताज नहीं है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोल देंगे, चाहे ईरान हमारा साथ दे या नहीं। यह काम बहुत जल्द होगा। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ किसी भी देश को जहाजों से 'टोल' या शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय पानी है, और हम ईरान की मनमानी नहीं चलने देंगे। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान सैन्य रूप से अब काफी कमजोर हो चुका है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि उनका उद्देश्य ईरान में 'सत्ता परिवर्तन' (Regime Change) करना नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक तरफ बातचीत का रास्ता खुला रखा है, तो दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। उन्होंने बताया कि यदि इस्लामाबाद वार्ता विफल रहती है, तो अमेरिका कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारे नौसैनिक जहाज सबसे आधुनिक और घातक हथियारों से लैस किए जा रहे हैं। अगर बातचीत से समाधान नहीं निकलता, तो हम इन हथियारों का बहुत प्रभावी ढंग से उपयोग करेंगे।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ में तापमान 40°C के पार पहुंचेगा

मप्र में पारा 1C से 5.4C तक बढ़ा, हीटवेव नहीं

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून, (एजेंसी) देशभर में गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को राजस्थान के बाड़मेर में दिन का तापमान 37.5C तक पहुंचा। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले दो दिन में दिन का तापमान 40C के पार जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में दिन का तापमान 42C से ज्यादा जा सकता है। यहां हीटवेव की स्थिति बन सकती है। दिन के साथ ही रात का तापमान भी तेजी से बढ़ेगा। मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश थमते ही गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को ज्यादातर शहरों में दिन के पारे में 1C से 5.4C तक बढ़ोतरी हुई। रतलाम में सबसे ज्यादा 5.4C की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, हीटवेव का अलर्ट नहीं है। इधर, आंध्र प्रदेश में 5 दिन समुद्री तूफान का अलर्ट है। उत्तर से दक्षिण की ओर बनी ट्रफ लाइन बनी रही, जो ओडिशा से गल्फ ऑफ मन्नार तक फैली हुई है। इसका असर तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना में भी रहेगा।

मप्र में 'नारी शक्ति वंदन उत्सव' की शुरुआत!

15 दिन महिलाओं के नाम, हर जिले में बड़े आयोजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में आज से एक खास अभियान की शुरुआत हुई है, जो सीधे महिलाओं की ताकत और उनके अधिकारों से जुड़ा है। 'नारी शक्ति वंदन उत्सव' के जरिए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि अब महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को और मजबूत किया जाएगा।

यह नारी शक्ति वंदन उत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसा जन-आंदोलन बनने जा रहा है, जिसमें गांव से लेकर शहर तक हर महिला को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। 10 अप्रैल से शुरू होकर 25 अप्रैल तक चलने वाला यह पखवाड़ा पूरे प्रदेश में नई ऊर्जा लेकर आया है।

इस अभियान की शुरुआत राजधानी भोपाल के रविन्द्र भवन से हुई, जहां राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। यहां महिला जनप्रतिनिधियों और सफल महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया और उनके अनुभव साझा किए गए। इस नारी शक्ति वंदन उत्सव के जरिए सरकार यह संदेश देना चाहती है कि महिलाओं की सफलता सिर्फ व्यक्तिगत नहीं होती, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा बनती है। यही वजह है कि संभाग मुख्यालयों के साथ-साथ छिंदवाड़ा, खरगोन और मंदसौर जैसे जिलों में भी बड़े स्तर पर कार्यक्रम रखे गए हैं। इस अभियान का एक खास हिस्सा "नारी शक्ति पदयात्रा" है, जो हर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। इसमें समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में भाग लेंगी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी।

यह नारी शक्ति वंदन उत्सव सिर्फ जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को सीधे जोड़ने

का प्रयास भी है। पदयात्रा के दौरान महिलाएं अपने अनुभव साझा करेंगी और एक-दूसरे से सीखेंगी। इसके साथ ही "नारी शक्ति वंदन दीवार" भी बनाई जाएगी, जहां युवा पेंटिंग और संदेशों के जरिए अपनी सोच को सामने रखेंगे। यह पहल युवाओं को इस अभियान से जोड़ने का एक नया तरीका है। 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी। इन सभाओं में महिला आरक्षण कानून पर चर्चा होगी और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

इस दिन को चुनना भी एक खास संदेश देता है, क्योंकि अंबेडकर जी ने हमेशा समानता और अधिकारों की बात की। नारी शक्ति वंदन उत्सव के तहत होने वाली ये ग्राम सभाएं गांव-गांव में जागरूकता फैलाने का काम करेंगी। इसके अलावा पंचायतों, नगर निकायों और शिक्षण संस्थानों में भी गोष्ठियां और सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, जिससे हर वर्ग तक यह जानकारी पहुंच सके। इस अभियान का एक बड़ा फोकस युवाओं पर भी है। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें व्याख्यान, प्रतियोगिताएं और चर्चा सत्र शामिल होंगे। यह अभियान सिर्फ जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। कि नारी शक्ति वंदन उत्सव के जरिए महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को पहचानने और उन्हें मंच देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे समाज में महिलाओं की भूमिका और मजबूत होगी।

चिड़ियाघर में पर्यटकों को जल्द ही समुद्र की गहराई का होगा अहसास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चिड़ियाघर में पर्यटकों को जल्द ही समुद्र की गहराई का अहसास होगा क्योंकि यहां 35 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक एक्वेरियम का निर्माण किया जा रहा है। प्रशासन ने इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है और उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले चार से पांच महीनों के भीतर धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए चिड़ियाघर परिसर में ही दो एकड़ की भूमि आरक्षित कर दी गई है।

इस एक्वेरियम में सैकड़ों प्रजातियों की समुद्री मछलियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इन मछलियों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए चिड़ियाघर में ही कृत्रिम रूप से समुद्री यानी खारा पानी तैयार किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार जल को खारा बनाने की इस प्रक्रिया में लगभग 45 दिन का समय लगेगा। यहां दुर्लभ प्रजातियों को रखने

की योजना है ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यहां बनने वाली अंडर वॉटर टनल होगी जिसे सिंगापुर और दुबई के प्रसिद्ध एक्वेरियम की तर्ज पर बनाया जाएगा। यह ग्लास टनल 20 से 50 मीटर लंबी होगी जिसमें चलते हुए पर्यटक अपने चारों ओर मछलियों को तैरते हुए देख सकेंगे। इसके साथ ही यहां एक आधुनिक टॉवर का निर्माण भी किया जाएगा और साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए स्कूबा डाइविंग की विशेष व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। चिड़ियाघर प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने जानकारी दी कि इस पूरे प्रोजेक्ट को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मॉडल के तहत पूरा किया जाएगा। विभाग का लक्ष्य है कि मानसून के बाद इसका निर्माण कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाए। रविवार जैसे व्यस्त दिनों में जब चिड़ियाघर में दर्शकों की संख्या 25 हजार तक पहुंच जाती है, तब भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक्वेरियम का डिजाइन तैयार किया गया है। बच्चों के मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के लिए भी यहां अलग से विशेष जोन बनाए जाएंगे।

कुंभ वायरल गर्ल नाबालिग निकली फरमान पर पास्को में एफआईआर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

महेश्वर, एजेंसी। कुंभ वायरल गर्ल की शादी के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। लड़की को बालिग बताकर शादी कराई गई थी, लेकिन वह नाबालिग है। रिकॉर्ड के अनुसार, शादी के समय लड़की की उम्र मात्र 16 साल 2 माह थी। महेश्वर थाने में आरोपी फरमान के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और एट्रोसिटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के नेतृत्व में हुई जांच में महेश्वर अस्पताल के रिकॉर्ड खंगाले गए। एनसीएसटी ने मामले में केरलम और मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को दिल्ली तलब किया है। जांच में यह भी सामने आया कि लड़की का जन्म 30 दिसंबर 2009 को हुआ था। 11 मार्च 2026 को केरल में हुए विवाह के समय वह नाबालिग थी। नगर पालिका महेश्वर से जारी एक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का उपयोग कर केरल के पुअर गांव में शादी का पंजीकरण कराया गया था, जिसे अब निरस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने 22 अप्रैल 2026 को केरल और मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को दिल्ली मुख्यालय तलब किया है। आयोग ने दोनों राज्यों की पुलिस को हर तीन दिन में जांच की प्रगति रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि पीड़ित आदिवासी बेटी को न्याय दिलाने के लिए मामले की लगातार निगरानी की जाएगी।

कृषि लोकरंग से किसानों के जीवन में आएगा उत्सव और सम्मान का नया रंग : मुख्यमंत्री

कृषि क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को मिलेंगे पुरस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि हमारी जीवन संस्कृति का मूल आधार है। किसान अन्नदाता होने के साथ हमारी संस्कृति, परम्पराओं और सुरक्षित भविष्य का आधार स्तम्भ हैं। किसान अपने परिवार के लिए ही नहीं, पूरे समाज के लिए अन्न का उत्पादन करता है। किसान मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का भी उदर-पोषण करता है। ऐसे अन्नदाता के जीवन में आनंद और उत्सव का संचार करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार यह वर्ष किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। कृषि लोकरंग-2026 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में प्रदेश में कृषि लोकरंग - 2026 आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह आयोजन किसानों के जीवन, उनकी पुरा परम्पराओं और कृषि संस्कृति का जीवंत उत्सव बने। उन्होंने कहा कि जो दिन-रात अथक श्रम-साधना कर सबके उदर पोषण की चिंता करता है, उसके परिश्रम से भरे जीवन में खुशियों के सुनहरे रंग भरना हम सबका कर्तव्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि लोकरंग में किसानों और आमजन की सहभागिता बढ़ाने के लिए कृषि क्विज प्रतियोगिता जैसे नवाचार किए जाएं। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी दिए जाएं। प्रत्येक जिले के प्रथम विजेता (टापर) को पुरस्कार के रूप में किसानों के लिए हर मौसम में उपयोगी कृषि संसाधन (जैसे ट्रेक्टर आदि) एवं अन्य तरह के पुरस्कार भी दिए जा सकते हैं।

लोकरंग के दौरान राज्य, संभाग एवं जिलास्तर पर किए जाएं सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह वर्ष हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, उनके जीवन स्तर में सुधार लाना और कृषि को लाभकारी बनाने के साथ ही किसानों के जीवन में आनंद लाना भी है। इसीलिए हम सब मिलकर इस वर्ष को किसानों के आनंद के वर्ष के रूप में मनाएंगे, जिससे किसान सिर्फ आर्थिक रूप से नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी खुद को सम्मानित महसूस करें। इसके लिए लोकरंग के दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अलावा संभाग एवं जिलास्तर पर सर्व लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी सहित कवि सम्मेलन जैसे आयोजन भी किए जाएं। इन कार्यक्रमों में किसानों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक कृषि लोकरंग आयोजन की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचायी जाए। कृषि लोकरंग में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और कृषि आधारित उद्योगों सहित उनके उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाए, जिससे किसानों को बाजार से जोड़ने का अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन किसानों के योगदान को सार्वजनिक मान्यता देने और समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना को और भी मजबूत करने का प्रयास है। इसके लिए कृषि लोकरंग में युवाओं की भागीदारी बढ़ायी जाए। नई पीढ़ी को कृषि और किसान का महत्व समझाने के प्रयास किए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं जनसम्पर्क अनुपम राजन, प्रमुख सचिव सहकारिता डी.पी. आहूजा, सचिव, किसान कल्याण एवं कृषि विकास निशांत बरवड़े, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव इलैया राजा टी., मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर घोटाले की आशंका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मंडला, एजेंसी। जिले में आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर घोटाले की आशंका जताई जा रही है। 9 अप्रैल को बिंझिया की शारदा कॉलोनी में एक किराए के मकान से भारी मात्रा में कुत्तों के अंग मिलने से हड़कंप मच गया है। घटनाक्रम की जानकारी अधिकारियों ने 10 अप्रैल को दी। पशु प्रेमी निशा ठाकुर की शिकायत पर जब पुलिस और प्रशासन की टीम वहां पहुंची, तो नजारा देखकर दंग रह गई। जांच टीम को मौके से करीब 500 नर और 200 मादा कुत्तों के अंग मिले हैं। इन अंगों को खराब होने से बचाने के लिए 'फॉर्मलीन' (एक तरह का केमिकल) डालकर डिब्बों में रखा गया था। यह मकान जबलपुर की 'मां नर्मदा इंटरप्राइजेज' नाम की संस्था ने किराए पर लिया था, जिसे नगर पालिका ने कुत्तों की नसबंदी का ठेका दिया था। शिकायत करने वाली निशा ठाकुर का आरोप है कि संस्था ने असल में कोई काम नहीं किया, बल्कि कहीं बाहर से ये अंग लाकर यहां जमा किए थे। शक जताया जा रहा है कि इन अंगों को सरकारी रिकॉर्ड में दिखाकर बिना नसबंदी किए ही लाखों रुपए का भुगतान लेने की तैयारी थी।

तीन साल के बच्चे की मौत

22 घंटे चली निकालने की कोशिश रही नाकाम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। जिले के बड़नगर में 2 साल के भागीरथ देवासी की 200 फीट गहरे बोरवेल में फंसने से मौत हो गई। करीब 22 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की टीम ने लोहे की छड़, रस्सी और बोरवेल की मोटर निकालने वाली मशीन की मदद से शव को बाहर निकाला।

एसपी प्रदीप मिश्रा ने बताया- झालरिया गांव से बच्चे के शव को बड़नगर के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। हमारी टीम भी वहीं जा रही है। जिसकी-जिसकी लापरवाही सामने आएगी, जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसपी ने रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने वालों का आभार व्यक्त किया। भागीरथ पिता पूसाराम देवासी, राजस्थान के पाली जिले का रहने वाला है। परिवार इलाके में भेड़ चराने के लिए आया था। परिजन के मुताबिक, बच्चा दीवार के पास खेल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह सीधे अंदर गिर गया। मां ने उसे गिरते देखा और बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहराई में जा चुका था।

खुशियां मातम में बदली

ओवरटेक के चक्कर में खाई में गिरा वाहन, 2 की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

पुनासा/ओंकारेश्वर, एजेंसी। देवला से शादी समारोह से लौट रहे ग्रामीणों से भरा एक लोडिंग वाहनओवरटेक के दौरान अनियंत्रित होकर 20 फीट गहरी खाई में गिर गया। हादसे में दो बुजुर्गों की मौत हो गई, जबकि 36 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना पुनासा रोड स्थित डूडगांव के पास हुई। वाहन में ग्राम तलवाड़िया के करीब 40 ग्रामीण सवार थे, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवरटेक करने के दौरान वाहन संतुलन खो बैठा और खाई में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को सनावद के शासकीय व निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय भगीरथ सोलंकी और 65 वर्षीय बाबूलाल सेजगाया की इंदौर रेफर के दौरान मौत हो गई। तीन गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज सनावद के अस्पतालों में जारी है। अधिकतर घायलों के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शी अंकुश यादव ने तुरंत गांव में सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय युवाओं की टीम ने निजी वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए।

संपादकीय

ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीक पर भारत-अमेरिका की जुगलबंदी

ईरान और अमेरिका में भले ही दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान होने से दुनिया ने कुछ राहत की सांस ली हो। लेकिन जिस तरह के हालात खाड़ी देशों में दिख रहे वो टेंशन बढ़ाने वाले हैं। खास तौर पर एनर्जी और ट्रेड जैसे मुद्दे पर हर देश अपने-अपने तरीके से प्लानिंग में जुटा है। इस बीच भारत ने भी इन सब क्षेत्रों में फोकस बढ़ाया है। खुद विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिकी दौरे पर हैं और लगातार बैठकों में जुटे हैं। इसी बीच उन्होंने अमेरिका के उप विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ अहम बैठक की। इसमें उनके बीच व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा समेत इंडिया-यूएस रिलेशन पर विस्तार बात हुई। ये अकेली वार्ता नहीं है जिसमें विक्रम मिसरी ने शिरकत की है, वो लगातार दिग्गज अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अमेरिका दौरे को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय लगातार अपडेट दे रहा है। MEA प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 11 अप्रैल सुबह-सुबह एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें MEA प्रवक्ता ने विक्रम मिसरी की यूएस अधिकारी क्रिस्टोफर लैंडो से मुलाकात की तस्वीर शेयर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि विदेश सचिव @VikramMisri ने @StateDept में @DeputySecState क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ एक सार्थक बैठक की। उन्होंने आने वाले वर्ष के लिए द्विपक्षीय एजेंडे की पूरी समीक्षा की। इसमें व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, रक्षा, भारत-अमेरिका के आगामी उच्च-स्तरीय कार्यक्रम और चल रहे क्षेत्रीय घटनाक्रम शामिल थे। इससे पहले भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी पर भी अहम बातचीत हुई। अमेरिका के ऊर्जा सचिव क्रिस राइट और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के बीच ऊर्जा सहयोग को लेकर अहम चर्चा हुई। इस बातचीत में भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने, सिविल न्यूक्लियर क्षेत्र सहित कई नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कहा कि शुक्रवार सुबह संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊर्जा सचिव क्रिस राइट और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ अमेरका-भारत ऊर्जा सहयोग के भविष्य पर चर्चा करना बहुत अच्छा रहा। भारत की ओर से ऐतिहासिक 'शांति' बिल पास किए जाने के बाद, हम कोयला गैसीकरण और यूएस एलपीजी निर्यात जैसे अन्य क्षेत्रों के अलावा, सिविल न्यूक्लियर क्षेत्र में भी सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ एक अहम मीटिंग की। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल समेत सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य मुद्दा रक्षा, आतंकवाद का विरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा रहा। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत को एक प्रोडक्टिव मीटिंग बताया।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

लैला

कौन है लैला, वह कहां से आई है, यह सब किसी को मालूम न था। तेहरान की चौक पर एक रोज लोगों ने खूबसूरत सुंदरी को हाथों में डफली लिए गजल गाते और झूमते देखा।

देखते ही देखते पूरे तेहरान में एक खूबसूरत महिला की चर्चा होने लगी। वह कोई और नहीं, बल्कि लैला ही थी। लैला की सुंदरता को लफ्जों में बताने के लिए शायद शब्द भी कम पड़ जाए। उसकी सुंदरता की मात्र कल्पना ही की जा सकती थी।

लैला किसी रंग-बिरंगे फूल से कम न थी। उसकी आवाज बांसुरी की मधुर धुन की तरह थी। जब लैला मस्ती में गाती थी, उस समय पूरा वातावरण खुशनुमा हो जाता था। लैला कविता, गीत-संगीत और सुंदरता की मनोरम मूर्ति सी थी। वह अपने गीतों में आने वाले वक्त का हाल सुनाती थी। कहती थी एक समय आएगा जब युद्ध-संघर्ष का अंत हो जाएगा, देश में प्रेम-संतोष का राज होगा। वह गीतों के जरिए राजा से सवाल भी करती थी और सोई हुई प्रजा को भी जगाती थी। सारा तेहरान उसकी अदा पर फिदा था।

लैला गरीब-कमजोर के लिए आशा के दीपक की तरह, रईसों के लिए मार्गदर्शक, दिलदारों के लिए परी और सत्ताधारियों यानी राज-पाठ संभालने वालों के लिए धर्म का संदेश थी। उसके एक इशारे पर नगर की जनता आग में भी कूद सकती थी। लैला के गुण और उसकी सुंदरता पूरी जनता को आकर्षित कर चुकी थी।

एक समय की बात है, एक बार तेहरान का शहजादा अपने घोड़े पर बैठकर नगर में निकला। इत्तेफाक ऐसा कि लैला उसी वक्त मधुर गीत गुनगुना रही थी। शहजादे ने आवाज सुन घोड़ा रोक दिया। वह स्तब्ध हो गया और काफी देर तक बीच सड़क पर रुक कर गीत सुनता रहा। कुछ देर बाद शहजादा घोड़े से उतरा और रोने लगा। आंखों में आंसू लिए वह उस आवाज की ओर चलने लगा। सामने लैला को देख वह दौड़ा और उसके चरणों पर झुक गया। वहां खड़े आसपास मौजूद लोग पीछे हट गए।

लैला घबराकर बोली, ''कौन हो तुम?''

शहजादे ने कहा, ''गुलाम हूं तुम्हारा।''

लैला, ''आपको मुझसे क्या चाहिए?''

शहजादे ने कहा, ''आपकी खिदमत का हुक्म चाहता हूं। मेरे छोटी सी झोपड़ी में अपने कदम रखकर उसे रोशन कर दीजिए।''

लैला, ''मेरी आदत में यह सब नहीं है।''

शहजादा दुखी होकर वहीं रुक गया। लैला ने फिर से गाना शुरू किया। उसका गला कांपने लगा, ऐसा लगा मानो जैसे वीणा के तार टूट गए हो। उसने मुड़कर शहजादे को देखा और बोली, ''तुम यहां ऐसे मत बैठो।''

वहां मौजूद दर्जनों लोगों ने लैला को बार-बार बताया कि ये तेहरान नगर के शहजादे हैं। इनका नाम नादिर है, लेकिन लैला को इससे तनिक भी फर्क नहीं पड़ा। वह बोली, ''बड़ी अच्छी बात है कि ये शहजादे हैं, लेकिन ये यहां क्या करेंगे? उनके पास महल में महफिल है। शान-ओ-शौकत है फिर वे भला यहां क्यों रहेंगे? जिन्हें गम है और जो अपने दिल के दर्द को बयां नहीं कर पाते हैं, मैं उनके लिए गाती हूं, न कि किसी के शौक के लिए।''

शहजादे ने कहा, ''लैला मैं तुम्हारे इस मधुर संगीत पर सब कुछ कुर्बान कर सकता हूं। मैं अब तक शौक का गुलाम था, लेकिन तुम्हारी आवाज ने मुझे दर्द का स्वाद चखा दिया है।''

लैला कुछ बोली नहीं और फिर से गाने लगी। इस बार उसकी जुबान से शब्द नहीं फूटे। उसकी आवाज पर उसका काबू नहीं था, वह रुक गई। वो डफली लेकर वहां से जाने लगी। सभी लोग अपने घर जाने लगे। जैसे ही लैला अपनी झोपड़ी के करीब खड़े पेड़ तक पहुंची तो उसने देखा कि कोई उसके पीछे आ रहा था। वह मुड़ी और बोली, ''कौन हो तुम?''

दरअसल लैला का पीछा करते-करते शहजादा नादिर उसके घर तक आ पहुंचा था।

लैला बोली, ''क्या तुम नहीं जानते कि मैं अपने आशियाने में किसी व्यक्ति को भी नहीं आने देती हूं?''

शहजादे ने कहा, ''मैं ये जानता हूं।''

लैला बोली, ''सब जानते हो फिर किस उम्मीद में यहां तक आए हो?''

इस बार शहजादे ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर की चुप्पी के बाद लैला बोली, ''कुछ खा-पीकर आए हो या नहीं?''

शहजादे ने कहा, ''अब न तो भूख है और न ही प्यास जान पड़ती है।''

लैला बोली, ''चलो, आज आपको गरीब के हाथ का स्वाद चखाऊं।''

शहजादा इनकार नहीं कर पाया। लैला न बाजरे की रोटी परोसी।

इस बार बाजरे की रोटी में भी शहजादे को स्वाद मिला। गरीब झोपड़ी में भी उसे आनंद आ रहा था। वह एक सुकून महसूस कर पा रहा था, जो शायद आज तक उसने कभी नहीं किया था।

शहजादे का खाना खत्म होते ही लैला बोली, ''आधी रात हो चुकी है। अब तुम्हें जाना चाहिए।''

शहजादा बेचैन हो गया। उसने जाने से मना कर दिया और कहा, ''अब मैं भी यहीं रहूंगा।''

अब शहजादा लैला का साथी बन गया। जहां-जहां लैला जाती शहजादा उसके साथ जाता था। लैला गाती और वह सुनता था। जब यह खबर बादशाह को लगी तो उन्होंने शहजादे को बहुत समझाया, लेकिन शहजादे ने किसी की एक न सुनी। वहीं दूसरी ओर, अब लैला के आवाज में भी वो पहले वाला जादू न था।

लैला अभी भी गाती, झूमती थी। लोग आते थे, लेकिन पहले वाली बात नहीं थी। जो लैला कभी दूसरों के दिल के दर्द गाती थी, अब वह अपना मन बहलाने के लिए गाने लगी। इस तरह लगभग छह महीने बीत गए।

एक रोज लैला गाने जाने के लिए तैयार नहीं हुई। तो शहजादे ने कहा, ''आज जाना नहीं है क्या?''

लैला बोली, ''सच बताना शहजादे, क्या अब भी तुम्हें मेरे गाने पहले जैसे अच्छे लगते हैं?''

शहजादे ने कहा, ''मुझे पहले से भी कई गुना ज्यादा मजा आता है।''

लैला झट से बोली, ''लेकिन लोगों को अब मजा नहीं आता। अब मैं कभी नहीं गाऊंगी।''

शहजादे ने कहा, ''हां इसका मुझे भी ताज्जुब है।''

लैला बोली, ''पहले मेरे दिल में सभी के लिए समान जगह थी। पहले मेरी जो आवाज निकलती थी वह सभी के दिलों तक पहुंचती थी, लेकिन अब तुम औरों से अलग हो गए हो। आज से तुम मेरे सब कुछ हो। अब से मैं तुम्हारे साथ चलूंगी। इस झोपड़ी में आग लगा दो।''

फिर पूरे तेहरान में जश्न का माहौल हो गया। घर-घर मिठाइयां बन रही थी। शहजादे और लैला का विवाह हो रहा था। हजारों लोग मस्जिदों में एक साथ नए जोड़े के लिए लंबी उम्र की दुआएं मांग रहे थे। इस मौके पर लैला ने बिल्कुल सादे कपड़े पहन रखे थे। आभूषण का कोई नामोनिशान नहीं था। महिलाएं लैला को दुआएं और मुबारकबाद दे रही थी। जिस पर एक सुर में वहां मौजूद लोग आमीन-आमीन कह रहे थे।

देखते ही देखते कई साल बीत गए। शहजादे नादिर अब नगर के बादशाह बन चुके थे और लैला उनकी मल्लिका। उस दौर से पहले ईरान का राजपाठ कभी इतना अच्छा नहीं था। बादशाह नादिर और मल्लिका लैला दोनों ही अपनी प्रजा को अपने करीब मानते थे और उनका हमेशा भला सोचते थे। नादिर राजसत्ता की वकालत करता तो लैला प्रजा की ओर से दलील देती। जब कभी राज-पाठ से थोड़ा वक्त मिलता तो दोनों एक साथ गाते-बजाते थे।

कभी नादिर लैला की मान जाता, तो कभी लैला नादिर की सुन लेती। यह उनके सुखी वैवाहिक जीवन का उसूल था। उस समय जब बादशाहों और महलों में एक से अधिक बेगमों का बोलबाला हुआ करता था, उस वक्त तेहरान के बादशाह पर लैला का एकमात्र अधिकार था। लैला ने राज-पाठ की सारी कमान अपने हाथों में रख ली थी। अब सारा धन प्रजा के हित में खर्च किया जाता था।

सब बढ़िया था, किंतु प्रजा मन ही मन संतुष्ट नहीं थी। उन्हें ये डर था कि अगर ऐसा ही हाल ज्यादा दिनों तक चला तो वो दिन दूर नहीं कि राजा-प्रजा का भेद खत्म हो जाएगा। लैला और नादिर के लाख समझाने के बावजूद भी दोनों वर्गों का भेद मिटाने का नाम नहीं ले रहा था। लड़ाईयां और विवाद बढ़ते जा रहे थे। सामंत और ऊंचे वर्ग के लोग बादशाह नादिर को मारना चाह रहे थे, जबकि वहां की प्रजा लैला की दुश्मन बनती जा रही थी।

पूरे राज्य में अशांति का वातावरण था। एक रोज रात के समय बादशाह और मल्लिका आरामगाह में थे। शतरंज की बाजी चल रही थी। नादिर ने कहा, 'लैला अब तुम्हारा प्यादा गया।''

लैला बोली, ''ये लो शह। तुम्हारा खेल खत्म।''

नादिर ने कहा, ''तुमसे हारने में जो खुशी मिलती है, वह जीत में बिल्कुल नहीं है।''

लैला, ''शह बचाइए वरना अब अगली चाल से आपकी हार तय है।''

नादिर ने भौएं चढ़ाकर कहा, ''तुमने राजा का अपमान किया है।''

इतने में लैला बोली, ''दो बार मैंने आपको छोड़ दिया है। अब आप नहीं बचेंगे।''

नादिर ने कहा, ''जब तक मेरे पास मेरा घोड़ा दिलराम है, तब तक मुझे कोई दुख नहीं है।''

लैला, ''तो लाइए दिलराम को। हो गई आपकी मात।''

नादिर, ''जब मैं तुम्हारे गुणों के सामने अपना दिल हार बैठा, तो अब मेरा प्यादा क्या चीज था। उसका अंत तो होना ही था।''

लैला बोली, ''बातें मत बनाइए। आप हारे हैं, इसलिए शर्त के मुताबिक इस पत्र पर अपनी मोहर लगा दीजिए। फरमान में लैला ने यह लिखा था कि आयात कर कम करके आधा कर दिया जाए। शतरंज में हारने पर नादिर ने इस फरमान पर मोहर लगाने का वादा किया था। शर्त के मुताबिक बादशाह ने मुहर लगा दी और इसके साथ ही प्रजा को साल के तकरीबन पांच करोड़ के कर से छुटकारा मिल जाएगा। लैला मन ही मन ये सोचकर खुश हो रही थी कि जब प्रजा को इसकी जानकारी मिलेगी तो वो कितनी खुश होगी और उन्हें दुआएं देंगी।''

तभी अचानक राज-भवन में शोर मचा। अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पूछने पर पता लगा कि गुस्साए लोगों की भीड़ आई है और वे राजभवन की दीवार तोड़कर अंदर आने की कोशिश कर रहे हैं। शोर बढ़ता ही जा रहा था। लैला एक कोने में चुपचाप खड़ी थी। नादिर को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। अंत में उसने लैला की तरफ देखकर कहा, ''मैं सेना को बुलावा भेजता हूं।''

इतने में लैला बोली, ''थोड़ा रुकिए। आखिर इन सभी लोगों से एक बार पूछिए तो कि ये चाहते क्या हैं?''

लैला की बात सुनते ही नादिर छत पर चढ़ गया और लैला भी उसके साथ आ पहुंची। दोनों छत पर खड़े थे। भीड़ की नजर उन पर गई। भीड़ चिल्लाई, ''वो देखो लैला, छत पर खड़ी है।''

नादिर ने चिल्लाकर कहा, ''यह ईरान की बदनसीबी है कि आज ये दिन आया। तुम लोगों ने राजभवन को क्यों इस प्रकार से घेरा है? आखिर क्यों तुमने बगावत की राह चुनी है, बताओ? मैं बादशाह-ए-तेहरान तुम सभी को हुक्म देता हूं इसी वक्त यहां से जाओ वरना यहां खून की नदियां बहा दी जाएगी।''

तभी भीड़ से एक विद्रोही निकला और बोला, ''हम तब तक यहां से नहीं जाएंगे जब तक लैला इस महल से नहीं जाएगी।''

गुस्से में तमतमाकर नादिर ने कहा, ''अल्लाह से डरो! मल्लिका का इस तरह अपमान करते हो, तुमलोगों को बिल्कुल शर्म नहीं है। लैला जब से मल्लिका बनी है उसने तुम लोगों को कितनी सुविधाएं दी हैं और तुम ऐसी बेअदबी कर रहे हो। कभी महल में आकर देखो कि मल्लिका कैसा जीवन जीती है। लैला वैसा भोजन खाती है जो तुम जानवरों को खिलाते हो। साज-सजावट तो दूर लैला का महल खाली-खंडहर है। लैला मल्लिका होकर भी फकीरों सा जीवन जीती है, दिन-रात प्रजा की सेवा में ही डूबी रहती है और तुम उसके साथ ऐसा बर्ताव कर रहे हो।''

नादिर बोल ही रहे थे कि विद्रोहियों में से किसी ने चिल्लाकर कहा, ''मल्लिका हम सबकी दुश्मन है। हम लैला का चेहरा तक नहीं देखना चाहते।'' इतने में नादिर ने चिल्लाकर कहा, ''खामोश हो जाओ सब।'' फरमान दिखाते हुए नादिर ने कहा, ''ये देखो लैला ने तुम लोगों के लिए कितना सोचा। तुम लोगों का कर अब आधा हो गया है, फिर भी तुम उसके लिए ऐसी बातें कर रहे हो।''

हजारों लोग एक साथ बोले, ''यह तो बहुत पहले ही माफ होना चाहिए था। हम अपनी मल्लिका के रूप में इसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं।'' बादशाह को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। उसे इस हालत में देख लैला बोली, ''अगर अल्लाह की यही मर्जी है कि मैं डफली बजाऊं और गाना गाकर गुजर-बसर करूं तो मुझे इस बात का कोई दुख नहीं है। मैं फिर से एक बार अपनी आवाज से जनता का दिल जीत लूंगी।''

नादिर लैला को खोना नहीं चाहते थे। उसने घबराकर मीनार की घंटी बजाई, ताकि सैनिक बाहर मदद के लिए आएं और भीड़ को खाली कराएं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नादिर ने फिर दूसरी बार घंटी बजाई। इस बार भी कोई सैनिक बाहर नहीं आया। बादशाह नादिर ने तीसरी बार घंटी बजाई, एक भी सैनिक बाहर नहीं निकला। नादिर ने सिर पर हाथ रख लिया। वह समझ गया कि यह खतरे की घंटी है। अब खराब दिन आ चुके हैं। अब उसे जनता के कहे अनुसार काम करना ही पड़ेगा।

लैला नादिर को अपनी जान से भी ज्यादा प्यारी थी। वह उसका हाथ पकड़े राजभवन के द्वार से बाहर आया। भीड़ दो हिस्सों में बंट गई। नादिर और लैला रात के अंधेरे में तेहरान के रास्तों पर चलने लगे। उन्होंने मस्जिद में पनाह ली, क्योंकि उन दोनों का अब कोई आश्रय नहीं था।

इस तरह दर-दर भटकते-भटकते पूरा साल बीत गया। दोनों ने समरकंद, बुखारा, बगदाद, हलब, काबिरा और अदन इन सारे देशों की खाक छान डाली। लैला की आवाज का जादू एक बार फिर काम आया। उसके गाते ही पूरे शहर में एक अलग ही हलचल सी मच जाती थी। दिनभर वे गाकर लोगों का मनोरंजन करते घूमते-खाते और कहीं रात बिताकर अगले दिन वहां से रवाना हो जाते थे।

प्रजा के बुरे बर्ताव से उनका मन बहुत दुखी था। लैला के मन में ये बात बैठ गई थी कि आप जिनके लिए अपना सबकुछ दे देते हैं, आगे चल कर वही आपका दुश्मन बन जाता है। जिसकी भलाई करो, आने वाले दिनों में वही बुराई करता है। किसी से भी इतना दिल नहीं लगाना चाहिए।

लैला के पास बड़े-बड़े रईसों, बादशाहों का बुलावा आता था, लेकिन लैला किसी के यहां नहीं जाती थी। इधर ईरान में शासन व्यवस्था अनियंत्रित थी। लोगों से तंग होकर रईस-धनवानों ने भी फौज जमा करनी शुरू कर दी थी। तभी राज्य में अकाल पड़ गया। लोग भूखे मरने लगे थे और व्यापार नष्ट होने लगा था।

सारा खजाना खत्म हो रहा था। जनता कमजोर हो रही थी और बड़े लोगों की शक्ति बढ़ती जा रही थी। आखिरकार एक दिन आया जब जनता ने घुटने टेक दिए। प्रजा ने जिन्हें नेता चुना, उन नेताओं को फांसी दे दी गई और राज्य में रईसों का दबदबा हो गया। उन्होंने राज-भवन पर कब्जा कर लिया। अब उन्हें नादिर की भी याद आने लगी। शक्तिशाली रईसों को लगा कि बीते समय में जो हुआ उसके बाद नादिर और लैला का जनता के लिए प्रेम मर गया होगा। अगर वे दोबारा सिंहासन पर बैठे तो भी शक्तिशालियों का ही कहा सुनेंगे। इसी उद्देश्य के साथ वे नादिर और लैला को मनाने के लिए निकल पड़े।

शाम का वक्त था, लैला और नादिर एक पेड़ के नीचे बैठकर आराम कर रहे थे। दोनों एकदम चुपचाप प्रकृति की सुंदरता को निहार रहे थे। तभी उन्हें लगा कि घुड़सवारों का काफिला उनके करीब आ रहा है। नादिर झटके में उठा और देखने लगा। तभी एक घुड़सवार उनके करीब आया और रुक कर सलाम किया। नादिर का चेहरा खिल गया। वह लैला की ओर देख कर चिल्लाया कि यह ईरान का आदमी है। इस बीच वह समझ नहीं पा रहा था कि यह सब क्या चल रहा था।

लैला चिल्लाकर बोली, ''सावधान हो जाओ और अपनी तलवार संभाल लो। क्या पता इसकी जरूरत पड़ जाए।''

घुड़सवारों ने एक साथ नादिर को फिर से सलाम किया। इस बार नादिर खुद को रोक नहीं पाया और उन्हें गले से लग लिया। घुड़सवार बोले, ''बादशाह देश अपने स्वामी को खोज रहा है, आप हमारे साथ चलिए।''

नादिर ने कहा, ''एक बार आप लोगों ने हमारी इज्जत ले ली। इस बार क्या जान लेंगे? मैं यहां बहुत ही आराम से हूं, मुझे परेशान मत करिए।'' लोगों ने बार-बार साथ चलने की गुहार लगाई, लेकिन नादिर एक ही रट लगाए था। काफी मिन्नतों के बाद वह साथ जाने के लिए तैयार हो गया। तभी लैला बोली, ''तेहरान की प्रजा मुझसे नाराज थी, आपसे नहीं। आप भले ही उन्हें माफी दे सकते हैं, लेकिन मैं नहीं।''

लैला के मुंह से ऐसी बातें सुनकर नादिर हैरान रह गया। उसे समझ नहीं आया कि लैला ऐसा क्यों कह रही है, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दूतों के साथ वे दोनों तेहरान के लिए चल पड़े। नगर पहुंचते ही शक्तिशाली लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जबकि गरीब-कमजोर लोग चीख-पुकार रहे थे। लैला को अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

जिन लोगों की तकलीफ देखकर एक वक्त में लैला का कलेजा फटता था अब उनके जीने-मरने से लैला को कोई मतलब नहीं था। नादिर जब भी प्रजा की भलाई का काम करता लैला उसमें बाधा डाल देती थी। तीन साल इसी तरह बीत गए और प्रजा की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली गई।

एक रोज नादिर शिकार पर निकला। शिकार के दौरान वह रास्ता भटक गया और अपने साथियों से बिछड़ गया। वह जंगल में काफी देर भटकता रहा, लेकिन उसे महल लौटने का कोई रास्ता न सूझा। अंत में वह खुदा को याद करते हुए एक रास्ते पर निकल पड़ा। सोचा कि कोई बस्ती या घर दिखे तो रात में आसरा लेकर सुबह महल का रास्ता पूछ, लौट आऊंगा।

मीलों चलने के बाद उसे एक गांव दिखा। जहां मात्र तीन-चार ही घर थे। तभी उसकी नजर वहां मौजूद एक मस्जिद पर पड़ी। बहुत रात हो गई थी, इसलिए बादशाह नादिर ने वहां रात बिताने की सोची। वहां एक फटी चटाई पड़ी थी, नादिर उसी पर सो गया।

अचानक आहट हुई और नादिर चौंक गया। उसने आंखें खोली और एक बूढ़े को सामने पाया। नादिर ने देखा कि वह बूढ़ा व्यक्ति सुबह की नमाज पढ़ रहा था। नादिर इतना थका था कि उसे पता ही नहीं चला कि सुबह हो गई थी।

वह शांत उस बूढ़े व्यक्ति को नमाज पढ़ता देखता रहा। बूढ़े ने नमाज पढ़ने के बाद दुआ मांगी। बूढ़े ने हाथ उठा कर कहा, ''ए खुदा! तू गरीबों का मददगार है, बेसहारों का सहारा है। तू इस क्रूर बादशाह का अत्यचार देख रहा है। तू देख रहा है कि कैसे वो एक औरत के इश्क में इतना डूब गया है कि अपनी प्रजा को भूल गया है। खुदा तू उसे अपने पास बुला ले या तो फिर हमें अपने पास बुला ले। ये यातनाएं हमसे और न सही जाएंगी। ईरान अब इस अत्यचार से तंग आ गया है।''

आज से पहले बादशाह नादिर ने अपनी ऐसी आलोचना कभी न सुनी थी। दुआ के लफ्ज सुन कर बादशाह नादिर का खून सूख गया। उसे समझ नहीं आया कि वह क्या करे। नादिर वहीं सोया रहा, वह हिल भी नहीं पाया।

घटना के एक सप्ताह बाद तक नादिर सभा में नहीं आया। साथ ही उसने किसी सेवक से भी मुलाकात नहीं की। कमरे में पड़ा सोचता रहा कि आखिर क्या करूं? लैला से नादिर की ये हालत देखी नहीं जा रही थी। वह कई बार उसके पास जाकर पूछती कि आखिर बात क्या है, क्यों वे इस तरह से बर्ताव कर रहे हैं। नादिर उसकी गोद में सिर रखता और रोने लगता। वह चाह कर भी कुछ बोल नहीं पा रहा था। कई दिनों तक मन ही मन व्याकुल होकर अंत में उसने सोचा, ''प्रेम अमर है, मैं और लैला दिल से जुड़े हैं। मुझे इस बादशाहत का लोभ नहीं है। मैं लैला के बिना नहीं जी सकता।''

वह कमरे से निकला और दौड़ते हुए लैला के कमरे में पहुंचा। देर रात हो चुकी थी, लेकिन द्वार खुला था। नादिर को समझ नहीं आया कि इस वक्त लैला कहां जा सकती है, वह डर गया। मन में कई सवाल आने लगे, लेकिन उसने आशा न छोड़ी और पूरा महल छान मारा। लैला कहीं नहीं थी। बादशाह नादिर मायूस हुए लैला के कमरे में लौट आए। हजारों बुरे ख्यालों के बीच नादिर लैला के बिस्तर पर लेट गया कि तभी उसका हाथ तकिए के नीचे रखे कागज के टुकड़े पर पड़ा। नादिर ने पर्ची उठाई, वह लैला का खत था।

नादिर ने पढ़ना शुरू किया। पहली लाइन पढ़ते ही उसकी आंखें छलक उठी। हिम्मत न हुई कि आगे पढ़े, लेकिन उसने खत पढ़ा। लैला ने लिखा था,

''मेरे प्रिय नादिर, मैं तुमसे अब हमेशा के लिए विदा लेती है। तुम्हें मेरी सौगंध है, तुम मुझे ढूंढने की कोशिश मत करना। लैला तुमसे इश्क करती है, वह तुम्हारे प्यार की भूखी है तुम्हारे दौलत की नहीं। बीते हफ्ते से तुमने मुझसे निगाहें फेर रखी है। मेरी तरफ देखते तक नहीं हो। मेरे लिए इस सजा से बड़ी कोई सजा नहीं हो सकती। मैंने अब तक जो किया केवल तुम्हारी भलाई के लिए ही किया था। अब मैं तुम्हारे सामने भी गिर गई हूं। ये पांच साल मुझे हमेशा याद रहेंगे। मैं डफली लेकर आई थी, डफली लेकर ही जा रही हूं। अलविदा!'' इतना पढ़ने के बाद नादिर लैला के गम में वहीं खड़ा रोता रह गया।

कहानी से सीख :

लैला कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि दुनिया में प्रेम से बड़ी कोई पूंजी और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। संसार में सच्चा इंसान वही है जो दूसरों की तकलीफ और दुख को महसूस कर सकता है।

New Delhi

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका को याद करने लगा भारत, दिल्ली आएंगे विदेश मंत्री मार्को रूबियो

नई दिल्ली, (एजेंसी) ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान के मध्यस्थता के लिए आगे आने पर भारत विदेश नीति पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि भारत इस युद्ध के दौरान भी होर्मुज के रास्ते से अपने टैंकरों को निकलवाकर एक तरह से अन्य देशों से ज्यादा सफल रहा है। वहीं भारत की नजरें अब नई दिल्ली में होने वाली क्वाड की बैठक पर है। इसमें अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो सहित अन्य देशों के विदेश मंत्री शामिल हो रहे हैं। अगल महीने मार्को रूबियो भारत की यात्रा करेंगे। इससे पहले विदेश सचिव

विक्रम मिसरी अमेरिका पहुंचे हैं और उन्होंने क्वाड की बैठक को लेकर रूबियो के साथ चर्चा की।

मिसरी तीन दिन की यात्रा पर अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने और रुबियो ने 'वाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में मुलाकात कर खास तौर पर व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और 'क्वाड' पर विशेष ध्यान देते हुए द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जापान के अपने समकक्ष से बात की और दोनों देशों के सबंधों पर चर्चा की। जापान ने भी संकेत दिए हैं कि क्वाड की बैठक में विदेश मंत्री मोटेगी शामिल होंगे। हालांकि अब तक ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

Uttarpradesh

दो बाइकों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, तीन युवकों की मौत और दो घायल, हैलट अस्पताल में इलाज जारी

कानपुर, (एजेंसी) कानपुर में बिल्हौर थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा में शुक्रवार को दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर खून ही खून हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है, जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात करीब 11:15 बजे एक व्हाइट अपाचे और दूसरी हीरो बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं।

हादसे के मृतकों की शिनाख्त रघुवर (21) पुत्र महेश निवासी ग्राम खजुरिया नेवादा, बिल्हौर, जतिन उर्फ बिहारी (20) पुत्र सुनील राठौर निवासी ग्राम पूरा, बिल्हौर, ओम (23) पुत्र टिंकू निवासी ग्राम पूरा, बिल्हौर के रूप में हुई है। वहीं, राहुल (20) पुत्र नरेश निवासी ग्राम पूरा गंभीर रूप से घायल है। उसका कानपुर के हैलट अस्पताल में चल रहा है।

इसके अलावा कविता (22) पुत्री नरेश, निवासी ग्राम पूरा कोहल्की चोटें आई थीं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

Chhattisgarh

दो कारों की टक्कर में 6 लोगों की मौके पर मौत

कांकेर, छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस सड़क हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसा दो कारों के आमने-सामने की भिड़ंत के बाद हुआ। स्थानीय लोगों की जानकारी पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-30 के नाथिया नवागांव के पास हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कांकेर जिले के उड़कुडा का रहने वाला परिवार हादसे का शिकार हुआ है। परिवार के सदस्य शादी समारोह में शामिल होने गए थे। चीवरांज में शादी समारोह से वापस लौटते नाथिया नवागांव के पास उनकी कार सामने से आ रही दूसरी तेज रफ्तार कार से टकरा गई।

New Delhi

'हर मुद्दे पर सीधे कोर्ट न आएं',और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दीं 25 अर्जियां, क्या है मामला?

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक ही सुनवाई में 25 जनहित याचिकाओं का निपटारा कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कहा, याचिकाकर्ताओं को पहले संबंधित प्रशासनिक और वैधानिक प्राधिकरण के पास जाना चाहिए। अगर वहां कोई कार्रवाई नहीं होती, तभी कोर्ट का दखल जरूरी होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों को अलग-अलग मुद्दों पर जागरूक और संवेदनशील बनाना पहला कदम होना चाहिए। साथ ही, वकीलों से उम्मीद है कि वे मामलों को समझकर सही जगह का चयन करें। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका आखिरी विकल्प है, हर नीति से जुड़े मामले में पहली जगह नहीं।

इन याचिकाओं में एक समान भाषा नीति, साबुन के केमिकल के नियम, देशभर में फूड रजिस्ट्रेशन अभियान जैसी मांगें शामिल थीं।एक अन्य जनहित याचिका में भिखारियों, ट्रांसजेंडर जैसे वंचित वर्गों के उत्थान के लिए नीति बनाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने नौ मार्च को गुप्ता द्वारा दायर पांच ''निरर्थक'' जनहित याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इनमें एक याचिका ऐसी भी थी, जिसमें यह जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन कराने की मांग की गई थी कि क्या प्याज और लहसुन में 'तामसिक' (नकारात्मक) ऊर्जा होती है। जाति जनगणना पर रोक लगाने से जुड़ी अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दी। चीफ जस्टिस ने याचिका के कंटेंट और उसमे इस्तेमाल की गई भाषा पर गंभीर आपत्ति जताई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, 'ऐसी भाषा आप कहां से सीखते हैं?

खेल

गुवाहाटी में वैभव सूर्यवंशी की आंधी... राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को धो डाला, ध्रुव जुरेल भी चमके

गुवाहाटी. इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के मैच नंबर-16 में शुक्रवार (10 अप्रैल) को राजस्थान रॉयल्स (RR) का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) से हुआ. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट से जीत हासिल की. मुकाबले में आरसीबी ने राजस्थान को जीत के लिए 202 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने 18 ओवर में हासिल कर लिया.

राजस्थान की जीत में वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की अहम भूमिका रही. वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और सात छक्के शामिल थे. वहीं जुरेल ने 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 43 बॉल पर नाबाद 81 रनों का योगदान दिया. राजस्थान रॉयल्स की मौजूदा सीजन में ये लगातार चौथी जीत रही. राजस्थान

रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की मौजूदा आईपीएल सीजन में शुरुआत धमाकेदार रही थी. राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (CSK), गुजरात टाइटन्स (GT) और मुंबई इंडियंस (MI) को परास्त किया था. वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) और चेन्नई सुपर किंग्स पर जीत हासिल की थी.

रनचेज में राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही. दूसरे ही ओवर में राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल (13 रन) का विकेट गंवा दिया, जो जोश हेजलवुड की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गए. यशस्वी तो आउट हो गए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बैटिंग जारी रही. वैभव ने सिर्फ 15 गेंदों पर फिफ्टी जमा दी, जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल रहे. वैभव सूर्यवंशी का साथ ध्रुव जुरेल ने भी बखूबी दिया और तूफानी बल्लेबाजी की. वैभव और जुरेल के बीच दूसरे विकेट के लिए 37 बॉल पर 108 रनों की साझेदारी हुई. इस साझेदारी को क्रुणाल पंड्या ने ब्रेक किया, जिन्होंने वैभव को पवेलियन भेजा. वैभव ने 8 चौके और सात छक्के की मदद से 26 बॉल पर 78 रन बनाए.

क्रुणाल पंड्या ने इसके बाद अगली ही गेंद पर शिमरॉन हेटमायर (0 रन) को भी चलता कर दिया. वहीं रियान पराग (3 रन) का विकेट जोश हेजलवुड ने झटका. पराग के आउट होने के समय राजस्थान का स्कोर 134/4 था. यहां से रवींद्र जडेजा (24* रन) और ध्रुव जुरेल ने नाबाद 68 रन जोड़कर टीम को जीत दिला दी.

टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 8 विकेट पर 201 रन बनाए. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही. पहली ही गेंद पर उसने फिल साल्ट (0 रन) का विकेट गंवा दिया, जो जोफ्रा आर्चर का शिकार बने. आर्चर ने फिर देवदत्त पडिक्कल को आउट कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया. विराट कोहली लय में लग रहे थे, लेकिन स्पिनर रवि बिश्नोई ने उन्हें एक बेहतरीन गेंद पर बोल्ड किया.

सिनेमा

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने पति-पत्नी के रिश्ते पर दी सलाह, हैरान हुई मशहूर एक्ट्रेस, ऐसे किया रिएक्ट

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा फैंस के दिलों पर राज करती हैं. सोशल मीडिया पर मोनालिसा आए दिन मजेदार पोस्ट शेयर करके फैंस को ट्रीट देना नहीं भूलतीं. अब उनका एक नया वीडियो चर्चा में बना हुआ है, जिसमें वो पति-पत्नी के रिश्ते पर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज की सलाह पर अपना रिएक्शन देती नजर आ रही हैं. अनिरुद्धाचार्य महाराज अक्सर लोगों को रिश्तों, परिवार और करियर को लेकर सलाह देते हैं. उनके कई वीडियोज इंटरनेट पर छाए रहते है. अब मोनालिसा ने अनिरुद्धाचार्य से पूछे गए सवाल पर लिपसिंक करते हुए एक मजेदार वीडियो शेयर किया है. वीडियो में अनिरुद्धाचार्य पति-पत्नी के रिश्ते को लेकर सलाह दे रहे है. वीडियो में देख सकते है कि एक महिला अनिरुद्धाचार्य से पूछती है- हमारे पति बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते हैं महाराज जी. हर चीज पर जल्दी गुस्सा हो जाते हैं. महिला के सवाल पर अनिरुद्धाचार्य महाराज जवाब देते हैं- जब पति गुस्सा हुआ करे, तो उनसे एक बात कहा करो और फिर अनिरुद्धाचार्य महाराज गाना गाने लगते हैं- मिले हो तुम हमको बड़े नसीबों से...वो आगे कहते हैं- बस इतना कह दिया करो और फिर गुस्सा छूमंतर. अनिरुद्धाचार्य महाराज की इस सलाह पर मोनालिसा ने अपने अंदाज में लिपसिंक वीडियो बनाया है. उन्होंने कमाल के एक्सप्रेशन्स दिए हैं. वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है- टेंशन लेने का नहीं...सिर्फ देने का.

Highlights

1. PM Modi announces ex-gratia of ₹2 lakh for Mathura boat accident victims
2. Centre playing politics on women's reservation law: Congress
3. Prez nominates Harivansh Singh to Rajya Sabha, PM congratulates him
4. ITBP dog Axel wins gold medal for tracking concealed explosives
5. Will include Kudmali, Rajbanshi languages in 8th Schedule: Shah in West Bengal

Nifty 50 to face stiff resistance at 24,000 even as US-Iran ceasefire talks loom

NEW DEIHI, (Agency). Options traders are positioning for renewed turbulence in India's stock market as diplomatic friction threatens to undermine a fragile US-Iran ceasefire.

A day before high-stakes negotiations in Pakistan, NSE data from Thursday revealed a surge in option selling. The activity suggests the Nifty 50 will face stiff resistance at the 24,000 mark, while downside support is expected to hold between 23,000 and 23,500 through Tuesday.

The market's caution follows a volatile session where the Nifty 50 fell 0.9% to close at 23,775.10 points, and the S&P BSE Sensex dropped 1.2% to 76,631.65. The decline retraced a portion of Wednesday's 4% rally, which had been sparked by President Trump's announcement of a two-week pause in hostilities.

Technical Resistance

The 24,058 level has emerged as a critical threshold for technical analysts. This figure represents a 50% retracement of the index's rally from its multi-month low in April to its January record high.

"The substantial option writing of calls at 24,000 shows that it's a strong resistance," said Kruti Shah, quant analyst at Equirus Securities. "Market behavior at this level needs to be watched carefully to ascertain if the recovery can sustain."

Geopolitical Friction

The optimism surrounding the truce is being tested by disagreements over extending the ceasefire to Lebanon and the reopening of the Strait of Hormuz. These tensions have kept energy prices elevated; brent crude has surged 33% to $96.62 a barrel since the conflict began on 28 February.

"The war will be over only when Israel wants it to be over," said Shankar Sharma, a UAE-based investor. He warned that India's stock market faces a "troublesome situation", noting that portfolio returns may remain muted as they have for the past two years.

Institutional Divergence

While the Nifty 50 recovered from a 52-week low of 22,182.55 struck last Thursday, foreign portfolio investors remain skeptical. FPIs were net sellers of ₹1,335.53 crore in cash on Wednesday despite the massive rebound. Conversely, domestic institutional investors provided a cushion, net buying ₹4,168.17 crore.

Swarup Mohanty, vice chairman and chief executive of Mirae Asset Investment Managers (India), suggested that while volatility will persist, a retest of last week's lows is unlikely unless the geopolitical situation worsens. "I will wait and see how the ceasefire unravels," Mohanty said, adding he intends to use market dips to remain fully invested.

Tata Sons committed to build Air India into a world-class airline, Chairman Natarajan Chandrasekaran says

NEW DEIHI, (Agency). Tata Sons Pvt. Ltd. remains committed to build Air India Ltd. into a world-class airline, Chairman Natarajan Chandrasekaran said on Friday, even as India's oldest airline navigates a "perfect storm".

"Air Indians have shown great tenacity in dealing with a perfect storm, and we must continue with the same spirit that has been demonstrated," Chandra, who is chairman of both Tata Sons and Air India, said during an employee townhall at the airline's headquarters in Gurugram. He also met the broader leadership team of Air India and Air India Express.

"Tata Group remains committed to Air India Group. The board is fully supportive and will continue to work closely with the management team."

Chandra's comments, and the Air India townhall, comes against the backdrop of the resignation of Chief Executive Officer Campbell Wilson last week.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक